ren employed in the scheduled employments. Such wages have already been fixed in several cases.

**सरकारी उपक्रमों में घाटा**

**1113. श्री मूलचन्द डागा :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उनके मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के ऐसे बड़े उपक्रमों के नाम क्या हैं जो पिछले चार वर्ष से लगातार घाटे में चल रहे हैं और प्रत्येक को कितना घाटा हुआ और उसके क्या कारण हैं; और

(ख) उनमें से प्रत्येक में सरकार द्वारा अब तक कितना पूंजी निवेश किया गया है और उन्होंने ऋण के रूप में कितनी राशि ली हुई है ?

**उद्योग तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी):** (क) उद्योग मंत्रालय के अधीन पांच बड़े उपक्रम हैं जिनका ग्रास ब्लाक 50 करोड़ रु. से अधिक है। ये उपक्रम हैं -- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, एच. एम. टी. लिमिटेड, हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन (एच. ई. सी.), सीमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड और हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन। इनमें से केवल हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन को पिछले चार वर्षों से लगातार घाटा हो रहा है। हानि की राशि और हानि के कारण निम्नलिखित हैं :-

| वर्ष | एच. ई. सी. |
|---|---|
| 1978-79 | 27.75 |
| 1979-80 | 34.78 |
| 1980-81 | 51.13 |
| 1981-82 (अनंतिम) | 34.00 |

हानि के कारण :

1. श्रमिकों की कम उत्पादकता।
2. प्रबंधकीय कमियां तथा त्रुटियां।
3. बिजली की अप्रयाप्त तथा रूक-रूक कर सप्लाई।
4. धन की कमी।
5. प्रणालियों संबंधी त्रुटियां।
6. कम/असंतुलित क्रयादेश स्थिति।

(ख) सरकार ने 31-3-1981 तक हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची में 308.88 करोड़ रु. का अनुमानित निवेश किया गया है। इसमें से 147.09 करोड़ रु. कम्पनी द्वारा सरकार से लिए गए ऋणों के लिए हैं।

**Efforts to reduce unemployment among scientists**

1114. SHRI KRISHNA KUMAR GOYAL. Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether the Indian Institute of Applied Man power Research had pointed out the ever-growing under employment and under-utilisation of Scientific and technical man power in the country;

(b) whether Government had studied the report and formulated proposal to bring down unemployment of Science and technology personnel; and

(c) what are the avenues and programmes likely to be taken up to reduce unemployment of science talents in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, ELECTRONICS AND ENVIRONMENT AND OCEAN DEVELOPMENT (SHRI C. P. N. SINGH): (a) to (c). Government is aware of the problem of unemployment amongst S & T personnel in the country. Several measures have been taken to provide gainful employment to the S&T personnel. Some of these are:—

Government has set up a National S&T Entrepreneurship Board. The executive committee of the Board consists also of heads of agencies as well as of representatives of investment banks and State industrial promotion corporations. It is